Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. प्रमुख विवर्तन प्लेटों की संख्या है-

(अ) आठ (ब) पाँच

(स) सात (द) छह

2. एक स्थलीय भाग जो तीन ओर से समुद्र से घिरा हो-

(अ) इनमें से कोई नहीं (ब) तट

(स) द्वीप (द) प्रायद्वीप

3. लैगून है-

(अ) नदी द्वारा बहाकर लाया गया अवसाद जो निम्न तल पर निक्षेपित होता है

(ब) पर्वतों से घिरा समतल अथवा कम ढाल वाला भू-भाग

(स) उच्च पर्वतीय अथवा ध्रुवीय क्षेत्रों में धीमी गति से ढाल पर हिम का बहना

(द) समुद्र के किनारे खारे पानी की एक झील जो बालू मिट्टी अथवा रोधिका द्वारा समुद्र से अलग हो जाती है

4. भारत के पूर्वी भाग में म्यांमार की सीमा का निर्धारण करने वाले पर्वतों का संयुक्त नाम-

(अ) उत्तराखण्ड (ब) पूर्वांचल

(स) इनमें से कोई नहीं (द) हिमाचल

5. संसार की छत किसे कहते हैं?

(अ) लैगून को (ब) डेल्टा को

(स) हिमाद्री को (द) पामीर ग्रंथि को

6. उथला सागर जो अंगारालैंड और गोंडवाना लैंड के मध्य स्थित है-

(अ) टेथीस सागर (ब) इनमें से कोई नहीं

(स) अरब सागर (द) अरब सागर तथा टेथीस सागर दोनों

7. पश्चिमी घाट से संबंधित पहाड़ियाँ हैं-

(अ) सह्याद्री, नीलगिरि पहाड़ियाँ (ब) शिपकिला, नाथुला

(स) कश्मीर पहाड़ियाँ (द) पटकोई बूम, नागार्मिजो पहाड़ियाँ

8. अंग्रेजी के अक्षर V के आकार की गहरी घाटी जिसमें नदी के दोनों किनारे खड़ी दीवार के समान हों, उसे क्या कहते हैं?

(अ) भू-भ्रंश घाटी (ब) डेल्टा

(स) महाखड्ड (द) वलित पर्वत

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. वह महाद्वीपीय प्लेट जो यूरोप तथा एशिया के अधिकांश भाग को घेरे हुए है-

(अ) प्रशान्त प्लेट (ब) अंटार्कटिक प्लेट

(स) भारत-ऑस्ट्रेलियन प्लेट (द) यूरेशियन प्लेट

10. गोवा के दक्षिण में स्थित पश्चिम तटीय पट्टी है–

(अ) कन्नड (ब) उत्तरी सरकार

(स) कोरोमंडल (द) कोंकण

रिक्त स्थान

11. नदी द्वारा बहाकर लाया गया अवसादि जो निम्न तल पर निक्षेपित होता है_____ कहलाता है।

12. _____ को बाह्य हिमालय कहते हैं।

सत्य/असत्य

13. गंगा, ब्रह्मपुत्र डेल्टा संसार का सबसे छोटा डेल्टा है।

14. भारत के दक्षिण में हिन्द महासागर है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. महाद्वीपीय क्षेत्रों में दबाव के कारण कौन-कौन सी क्रियाएँ उत्पन्न होती हैं?

16. टेल्कम पाउडर किस प्रकार की शैल से बनाया जाता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. मध्य हिमालय पर संक्षिप्त टिप्पणि लिखिए।

18. हिमाचल की तीन विशेषताएँ बताइए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. भारत के प्रमुख भू-आकृतिक विभाग कौन-से हैं? हिमालय क्षेत्र तथा प्रायद्वीप पठार के उच्चावच लक्षणों में क्या अन्तर है?

20. भारत के द्वीप समूह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

HOTS

21. हिमालय का निर्माण कैसे हुआ?

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan

1. **(स)** सात
2. **(द)**
   प्रायद्वीप भूमि के वो भाग होते हैं जिनके तीन तरफ जल तथा एक ओर स्थल होती है।
3. **(द)** समुद्र के किनारे खारे पानी की एक झील जो मिट्टी अथवा रोधिका द्वारा समुद्र से अलग हो जाती है।
4. **(ब)** पूर्वांचल
5. **(द)** पामीर ग्रन्थि को
6. **(अ)** टेथीस सागर
7. **(अ)** सह्याद्री, नीलगिरि पहाड़ियाँ
8. **(स)** महाखड्ड
9. **(द)** यूरेशियन प्लेट
10. **(अ)** कन्नड़
11. जलोढ़क
12. शिवालिक
13. असत्य
14. सत्य
15. क्रियाएँ-
    i. वलय
    ii. भ्रंशीकरण
    iii. ज्वालामुखी क्रियाएँ
16. सेलखड़ी शैल से
17. **मध्य हिमालय -** सर्वोच्च हिमालय के दक्षिण में स्थित पर्वत श्रेणियों को लघु हिमालय या मध्य हिमालय कहते हैं। इसे हिमाचल श्रेणी भी कहा जाता है।

    विशेषताएँ-

    i. यह हिमालय की मध्यवर्ती श्रेणी है।
    ii. कश्मीर की पीरपंजाल श्रेणी, जम्मू व कश्मीर और हिमालय में फैली धौलाधर श्रेणी लघु हिमालय के ही भाग हैं। नेपाल की महाभारत श्रेणी भी इसी का अंग है।
    iii. इस श्रेणी में बहुत से प्रमुख पर्वतीय नगर पाए जाते हैं। इन पर्वतीय नगरों में डलहौजी, धर्मशाला, शिमला, मसूरी, नैनीताल और दार्जिलिंग विशेष उल्लेखनीय हैं।
18.
    i. इसके 55,673 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में से 36,700 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बसा हुआ है और 16,807 बसे हुए गांव असंख्य पहाडियों के ढलानों और घाटियों में बिखरे हुए हैं।
    ii. यह श्रृंखला मुख्यतः अत्यधिक संपीड़ित कायांतरित चट्टानों से बनी है।
    iii. इनकी ऊँचाई 3700 मीटर से 4500 मीटर के बीच है तथा चौड़ाई 50 किलोमीटर है।,
    iv. हिमाचल प्रदेश में, खासतौर से राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें एक तरह से जीवनरेखा और आवाजाही का मुख्य साधन हैं।
    v. कश्मीर की घाटी तथा हिमाचल की काँगड़ा तथा कुल्लू की घाटियाँ इसी में स्थित हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

19. भारत के प्रमुख भू-आकृतिक विभाग निम्नलिखित है:-

i. हिमालयी पर्वत
ii. उत्तर के मैदान
iii. प्रायद्वीपीय पठार
iv. भारतीय मरुस्थल
v. तटीय मैदान
vi. द्वीप समूह

हिमालयी क्षेत्र तथा प्रायद्वीपीय पठार के उच्चावच लक्षणों में अंतर नीचे दिया गया है:

हिमालयी क्षेत्र –

1. विश्व के सर्वाधिक ऊँचे पर्वतों एवं गहरी घाटियों से मिलकर बना है।
2. इंडो-आस्ट्रेलियाई प्लेट व यूरेशियन प्लेट में टक्कर के कारण बना।
3. तलछटी चट्टानों से बना है।
4. भूवैज्ञानिक दृष्टि से यह अस्थिर क्षेत्र में आता है।
5. ये विश्व के सर्वाधिक ऊँचे पर्वत हैं।

प्रायद्वीपीय पठार –

1. चौड़ी एवं छिपकली घाटियों तथा गोलाकार पहाड़ियों से मिलकर बना है।
2. गोंडवाना भूमि के टूटने व खिसकने के कारण बना।
3. आग्नेय एवं कायांतरित चट्टानों से बना है।
4. भूवैज्ञानिक दृष्टी से यह स्थिर क्षेत्र में आता है।
5. मध्य उच्चभूमि नीची पहाड़ियों से बना है और इनमें कोई भी चोटी विश्वविख्यात ऊँचाई की नहीं हैं।

20. भारत के द्वीप समूहः-

लक्षद्वीप मुख्यभूमि के दक्षिण-पश्चिम में अरब सागर में केरल के मालाबार तट के पास स्थित है। पहले इनको लकादीव, मीनीकाय तथा एमीनदीव के नाम से जाना जाता था। 1973 में इनका नाम लक्षद्वीप रखा गया। लक्षद्वीप का प्रशासनिक मुख्यालय कावारती में है। यह द्वीप समूह छोटे प्रवाल द्वीपों से बना है। यह 32 वर्ग कि०मी० के छोटे से क्षेत्र में फैला हुआ है। इस द्वीप समूह पर पौधों एवं जीवों की बहुत सी प्रजातियाँ पाई जाती हैं। अंडमान निकोबार द्वीप बंगाल की खाड़ी में उत्तर से दक्षिण की तरफ फैले द्वीप है। ये द्वीप समूह आकार में बड़े, संख्या में बहुल तथा बिखरे हुए है। यह द्वीप दो भागों में बंट गया है उत्तर में अंडमान तथा दक्षिण में निकोबार। इन द्वीप समूहों में पाये जाने वाले पादप एवम् जन्तुओं में बहुत अधिक विविधता है। ये द्वीप विषुवत वृत्त के समीप स्थित हैं एवम् यहाँ की जलवायु विषुवतीय है तथा यह घने जंगलों से आच्छादित है।

21. जिस स्थान पर आज हिमालय स्थित है, उस स्थान पर कभी टेथीस नामक सागर हिलोरें लेता था। यह एक लम्बा और उथला सागर था। यह दो विशाल भूखण्डों से घिरा हुआ था। इसके उत्तर में अंगारालैण्ड और दक्षिण में गोंडवानालैण्ड नाम के भूखण्ड थे। ऐसा माना जाता है कि लाखों वर्ष पहले भारत एक बड़े महाद्वीप गोंडवाना भूमि का भाग था। सबसे प्राचीन भूखंड (प्रायद्वीपीय भाग) गोंडवाना भूमि का हिस्सा था। वर्तमान आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका एवं दक्षिण अमेरिका भी इसी भूखंड में शामिल थे। यह दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित था। संवहनीय धाराओं के कारण इसकी भू-पर्पटी कई टुकड़ों में टूट गई जिससे इंडो-आस्ट्रेलियाई प्लेट गोंडवानालैण्ड से अलग होकर उत्तर की ओर सरक गई। प्लेट विवर्तन सिद्धांत के अनुसार भू-पर्पटी पहले एक ही विशालकाय महाद्वीप था जिसे पैंजिया कहा जाता था। उत्तरी भाग में अंगारा भूमि थी दक्षिणी भाग में गोंडवाना भूमि। भूपर्पटी के नीचे मौजूद पिघले हुए पदार्थ ने भूपर्पटी या लीथोस्फीयर को कई बड़े टुकड़ों में बाँट दिया जिन्हें लीथोस्फेरिक या टैक्टोनिक प्लेट कहा जाता है। जो अवसादी चट्टान टक्कर के कारण वलित होकर इकट्ठे हो गए उन्हें टेथीस के नाम से जाना जाता है। गोंडवाना भूमि से अलग होने के बाद इंडो-आस्ट्रेलियाई प्लेट उत्तर में यूरेशियन प्लेट की ओर खिसक गई। यह दो प्लेटों में टकराव का कारण बना और इस टकराव के कारण टेथीस की अवसादी चट्टानें वलित होकर पश्चिमी एशिया की पर्वतीय श्रृंखला तथा हिमालय के रूप में उभर गई।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

19.

हिमालयी क्षेत्र	प्रायद्वीपीय पठार
विश्व के सर्वाधिक ऊँचे पर्वतों एवं गहरी घाटियों से मिलकर बना है।	चौड़ी एवं छिपकली घाटियों तथा गोलाकार पहाड़ियों से मिलकर बना है।
इंडो-आस्ट्रेलियाई प्लेट व यूरेशियन प्लेट में टक्कर के कारण बना।	गोंडवाना भूमि के टूटने व खिसकने के कारण बना।
तलछटी चट्टानों से बना है।	आग्नेय एवं कायांतरित चट्टानों से बना है।
भूवैज्ञानिक दृष्टि से यह अस्थिर क्षेत्र में आता है।	भूवैज्ञानिक दृष्टी से यह स्थिर क्षेत्र में आता है।
ये विश्व के सर्वाधिक ऊँचे पर्वत हैं।	मध्य उच्चभूमि नीची पहाड़ियों से बना है और इनमें कोई भी चोटी विश्वविख्यात ऊँचाई की नहीं हैं।

20. **भारत के द्वीप समूहः-**

लक्षद्वीप मुख्यभूमि के दक्षिण-पश्चिम में अरब सागर में केरल के मालाबार तट के पास स्थित है। पहले इनको लकादीव, मीनीकाय तथा एमीनदीव के नाम से जाना जाता था। 1973 में इनका नाम लक्षद्वीप रखा गया। लक्षद्वीप का प्रशासनिक मुख्यालय कावारती में है। यह द्वीप समूह छोटे प्रवाल द्वीपों से बना है। यह 32 वर्ग कि०मी० के छोटे से क्षेत्र में फैला हुआ है। इस द्वीप समूह पर पौधों एवं जीवों की बहुत सी प्रजातियाँ पाई जाती हैं। अंडमान निकोबार द्वीप बंगाल की खाड़ी में उत्तर से दक्षिण की तरफ फैले द्वीप है। ये द्वीप समूह आकार में बड़े, संख्या में बहुल तथा बिखरे हुए है। यह द्वीप दो भागों में बंट गया है उत्तर में अंडमान तथा दक्षिण में निकोबार। इन द्वीप समूहों में पाये जाने वाले पादप एवम् जन्तुओं में बहुत अधिक विविधता है। ये द्वीप विषुवत वृत्त के समीप स्थित हैं एवम् यहाँ की जलवायु विषुवतीय है तथा यह घने जंगलों से आच्छादित है।

21. जिस स्थान पर आज हिमालय स्थित है, उस स्थान पर कभी टेथीस नामक सागर हिलोरें लेता था। यह एक लम्बा और उथला सागर था। यह दो विशाल भूखण्डों से घिरा हुआ था। इसके उत्तर में अंगारालैण्ड और दक्षिण में गोंडवानालैण्ड नाम के भूखण्ड थे। ऐसा माना जाता है कि लाखों वर्ष पहले भारत एक बड़े महाद्वीप गोंडवाना भूमि का भाग था। सबसे प्राचीन भूखंड (प्रायद्वीपीय भाग) गोंडवाना भूमि का हिस्सा था। वर्तमान आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका एवं दक्षिण अमेरिका भी इसी भूखंड में शामिल थे। यह दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित था। संवहनीय धाराओं के कारण इसकी भू-पर्पटी कई टुकड़ों में टूट गई जिससे इंडो-आस्ट्रेलियाई प्लेट गोंडवानालैण्ड से अलग होकर उत्तर की ओर सरक गई। प्लेट विवर्तन सिद्धांत के अनुसार भू-पर्पटी पहले एक ही विशालकाय महाद्वीप था जिसे पैंजिया कहा जाता था। उत्तरी भाग में अंगारा भूमि थी दक्षिणी भाग में गोंडवाना भूमि। भूपर्पटी के नीचे मौजूद पिघले हुए पदार्थ ने भूपर्पटी या लीथोस्फीयर को कई बड़े टुकड़ों में बाँट दिया जिन्हें लीथोस्फेरिक या टैक्टोनिक प्लेट कहा जाता है। जो अवसादी चट्टान टक्कर के कारण वलित होकर इकट्ठे हो गए उन्हें टेथीस के नाम से जाना जाता है। गोंडवाना भूमि से अलग होने के बाद इंडो-आस्ट्रेलियाई प्लेट उत्तर में यूरेशियन प्लेट की ओर खिसक गई। यह दो प्लेटों में टकराव का कारण बना और इस टकराव के कारण टेथीस की अवसादी चट्टानें वलित होकर पश्चिमी एशिया की पर्वतीय श्रृंखला तथा हिमालय के रूप में उभर गई।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES